नवभारत

इंदौर, रविवार, 23 नवंबर, 2025

एक नजर में

उत्तरप्रदेश के युवक ने ग्रामीण युवती के साथ किया दुष्कर्म

नागदा। शहर में पढ़ने आई ग्रामीण छात्रा के साथ उत्तर प्रदेश के वर्ग विशेष का युवक बहला-फुसला कर छात्रा को एक लॉज में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार उन्हेल तहसील के गांव में निवास करने वाली कक्षा 12वीं की छात्रा नागदा में कम्प्युटर कोर्स करने आती थी। शुक्रवार को भी वह पढ़ाई करने नागदा आई तो उसे स्टेशन रोड पर उसकी मुलाकात उक्त युवक से हो गई। युवक सुलेमान पिता अमजद अली, निवासी गांव डेहरिया, बलिया उत्तर प्रदेश छात्रा को बहला-फुसला कर एमजी रोड स्थित अतिथि लॉज में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। इसी दौरान उधर से गुजर रहे दो युवकों को छात्रा ने आप बीती बताई और फोन कर अपने परिजन को बताया। इसके बाद नागदा थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1) व अनुसूचित जाति व जनजाति की धारा 3(2)(वीए) में प्रकरण दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि छात्रा की युवक से 6 माह पहले पहचान हुई थी। उसके बाद से दोनों के बीच कभी-कभार बातचीत होती थी। युवक ने छात्रा का पीछा किया और वारदात को अंजाम दिया।

डॉ. मंगल को मिला सीसीएलएस ट्रेनर सर्टिफिकेट

उज्जैन। सहर्ष हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. हर्ष मंगल को सीपीआर कोर्स सिखाने के लिए आईआरसीएफ से सीसीएलएस ट्रेनर सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। डॉ. हर्ष मंगल ने बताया कि सहर्ष हॉस्पिटल में प्रत्येक शुक्रवार को शाम 5 से 7 बजे तक आमजन के लिए नि:शुल्क सीपीआर ट्रेंनिंग दी जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन

उज्जैन। निर्मला महाविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक विकास कार्यक्रम के छठे दिन दो सत्रों का आयोजन हुआ। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. अनिल दिक्षित प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय माकडोन द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर नितिन राणे कुलगुरु अवंतिका विश्वविद्यालय उज्जैन रहे। आपने विषय अनुसंधान के उपकरणों, तकनीकी और परिवर्तन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का एकीकरण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ शेखर मदमवार, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा की गई। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गीता नायक, आचार्य हिंदी अध्ययनशाला सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय रही। आपने विषय अनुसंधान के मूल आयामों—स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, उद्देश्य, महत्व और प्रकार—का अन्वेषण विषय पर अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का विवरण डॉ. चंद्रशेखर शर्मा एवं डॉ. शर्लि सिंह द्वारा पूर्ण किया गया। संचालन एवं आभार इंजीनियर सचिन उपाध्याय द्वारा दिया गया।

क्षत्रिय मराठा समाज ने घट स्थापना कर छह दिवसीय चम्पाषष्ठी महोत्सव की शुरूआत की

उज्जैन। 24 खंभा महाकाल घाटी स्थित समाज की धर्मशाला में क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा अध्यक्ष अनिल धर्मे की अध्यक्षता में घट स्थापना कर छह दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान भगवान कुलदेवता मल्हार मार्तंड देव का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भाग लिया। समाज द्वारा आने वाले दिनों में छह दिवसीय चम्पाषष्ठी महोत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया जाएगा। महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना चौहान एवं रंगोली प्रभारी प्रिया जाधव ने बताया कि महोत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत सुबह धार्मिक कार्यक्रमों के बाद शाम को महिला मंडल द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में समाज की महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आकर्षक रंगोली बनाई। रंगोली में मल्हार मार्तंड, तुलजा भवानी, गणपति जी तथा कोल्हापुर ची महालक्ष्मी के मनमोहक चित्र उकेरे गए। प्रतियोगिता को देखने समाज के बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। उत्कृष्ट रंगोली बनाने वाले प्रतिभागियों को समाज की ओर से पुरस्कार व सम्मान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में चेयर रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान समाज के अध्यक्ष अनिल धर्मे ने संबोधित करते हुए कहां की समाज की महिलाओं ने रंगोली के माध्यम से कला का प्रदर्शन करते हुए जागरूकता का संदेश दिया है। समाज के सभी आगामी कार्यक्रम भी सामाजिकता और एकता का संदेश देते हुए आयोजित किए जाएंगे। 23 नवंबर : शस्त्र प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता का आयोजन होगा। कार्यक्रम का समापन 26 नवंबर को होगा। रंगोली प्रतियोगिता के इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता पाटिल, उपाध्यक्ष मुकेश शिन्दे, अनीता शिन्दे, सचिव अनिल गावडे, कोषाध्यक्ष राजेश खोयरे, सह सचिव परवीन जाधव, प्रशांत शिन्दे, कार्यकारणी सदस्य रेखा कदम, ममता खोयरे, रणजीत सपकाले, अनिल खोकले, मधुकर राव यादव, अंकित कदम, यशवंत इंगले, महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना चव्हाण, सचिव चेतना कड़ेकर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कविता जाधव, उपाध्यक्ष दीपा गावडे, कामिनी मोरे, कोषाध्यक्ष सुलभा काटे, सह सचिव निधि जाधव, सुप्रिया जाधव, सदस्य ज्योति सपकाले, मीनाक्षी चव्हाण, कार्यक्रम चेयर रेस प्रभारी वंदना कदम, सीमा भोसले, पूनम पंडोले, सहयोग कार्यकर्ता शहद शितोले, उमाकांत धर्मे, भास्कर राव जाधव समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाई वीरांगना झलकारी बाईजी की जन्म जयंती

धरती हमारी माता है और उसका संरक्षण हमारा धर्म का संदेश दिया

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विरांगना झलकारी बाईजी के जन्म जयंती के शुभ अवसर पर धरती हमारी माता है और उसका संरक्षण हमारा धर्म का संदेश देते हुए राजीव गांधी उद्यान परिसर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी सामाजिक महिला संगठन द्वारा पौधारोपण किया गया।

मीडिया प्रभारी अर्चना नरेंद्र कछवाय ने बताया कि इस अवसर पर वीरांगना महिला संगठन की अध्यक्ष दीपा आर्य, रागिनी हाटिया, पुष्पा जांगरिया, दिव्या रठा, संजना कोरी, अनीता भीटोरिया, प्रेमलता जांगरिया, प्रियंका रठा, ममता लारिया, ममता मानकेरे, सरोज कछवाय और अर्चना कछवाय आदि सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन नीलिमा वर्मा ने किया। संगठन की अध्यक्ष दीपा आर्य ने बताया कि वृक्ष ही हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है और स्वच्छ पर्यावरण और पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन हेतु आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संगठन द्वारा पौधारोपण किया गया, इसमें फलदार एवं छायादार जैसे कई पौधे लगाए गए। पेड़ पौधे के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है, यदि पेड़ पौधे ना हो तो हम सांस भी नहीं ले सकते हैं। इसलिए जीवन के लिए हम सबको संकल्प लेना चाहिए।

पीली मिट्टी उत्खनन के नए आवेदन के साथ-साथ पूर्व में मंजूर पट्टे ग्रामसभा ने सर्वसम्मति से किए निरस्त

नागदा। तहसीलदार नागदा के आदेश से ग्राम पंचायत निपानिया के ग्राम गिदगढ में ग्रामसभा आयोजित कर 79 बीघा जमीन पर पीली मिट्टी उत्खनन करने के लिए पट्टे प्रदान करने हेतु ग्राम सभा में रखे प्रस्तावों को ग्रामीणजनों द्वारा आपत्ति लेते हुए निरस्त कर दिया गया तथा एक अन्य प्रस्ताव पास किया गया जिसके अन्तर्गत पूर्व में चिमनी भट्टों के नाम पर 200 बीघा से अधिक जमीन पर फर्जी ग्राम सभा के आधार पर लीज के दिए गए अवैध पट्टों को निरस्त करने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास किया गया।

ग्रामीणजन बहादुरसिंह ने आरोप लगाते हुए बताया कि पीली मिट्टी के अवैध उत्खनन को रोकने हेतु ग्रामीणजन लगातार कलेक्टर, एसडीएम से मांग कर रहे है और पट्टा निरस्त करने की लगातार मांग कर रहे है परंतु ग्रामीणों की मांग पर कोई कार्यवाही नही करते हुए अवैध उत्खनन करने वालों को बचाने के लिए पट्टे की स्वीकृति हेतु तहसीलदार द्वारा आदेश जारी कर ग्राम सभा का आयोजन करा दिया गया है जबकि लाखों रूपये की पीली मिट्टी प्रतिदिन बेची जा रही है। आसपास के गांवों के सभी ग्रामीणजन शीघ्र ही कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगें।

तहसीलदार नागदा के आदेश क्रं./रीडर/2025 नागदा दिनांक 13/11/2025 पर पंचायत सचिव इन्दुबाला सोनगरा द्वारा ग्राम गिदगढ में म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 3(क) के तहत प्रमाणिकरण प्राप्त करने हेतू प्रस्तुत आवेदन पत्रों में लोकेश पिता दीपक सर्वे क्रं. 403/3, 403/5, 403/6/403/9 रकबा 1.04 हेक्टेयर, कमल पिता मुन्नालाल सर्वे क्रं. 403/3, 403/4, 403/5, 403/6, 403/9 रकबा 1.04 हेक्टेयर, शांतिलाल पिता बालु सर्वे क्रं. 485/2, 485/3, 487/2 रकबा 0.58 हेक्टेयर, नितेश पिता पप्पु सर्वे क्रं. 401, 404/1, 405/2, 406/2, 473/2, 474, 402/1/2, 402/1/3, 402/2/1, 405/3, 507/3, 509/1, 56/2, 518/2/1 रकबा 4.10 हेक्टेयर, बंशीलाल पिता भागीरथ सर्वे क्रं. 402/1/1, 402/2/2, 402/3 कुल रकबा 0.90 हेक्टेयर, मुकेश कुमार, मनोहरलाल पिता मदनलाल सर्वे क्रं. 496, 497, 491 रकबा 3.14 हेक्टेयर, मनोज पिता नारायण सेर्व क्रं. 487/1, 488, 489/1 रकबा 1,45 हेक्टेयर, चुन्नालाल पिता नारायण सर्वे क्रं. 490/1, 490/2, 498, 489/2, 499 रकबा 2.45 हेक्टेयर, राधेश्याम पिता गणपत सर्वे क्रं. 514/1 रकबा 1.18 हेक्टेयर कुल 15.88 हेक्टेयर (लगभग 79 बीघा) पर उत्खनन हेतू ग्रामसभा की एनओसी हेतू प्रस्ताव प्राप्त हुए थे जिनपर ग्रामीणों द्वारा आपत्ति लेने पर प्रस्ताव निरस्त कर दिए गए।

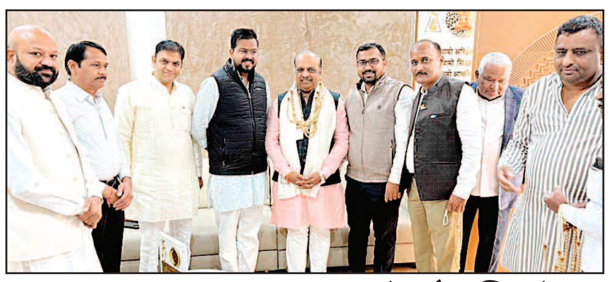

महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री गांधी उज्जैन आए

उज्जैन। महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री दर्जा एवं जैन अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के अध्यक्ष ललित एस गांधी (मुंबई) शुक्रवार को अल्पप्रवास पर उज्जैन आए। देव दर्शन के उपरांत वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। साकेत नगर स्थित जैन समाज के मोहनलाल जैन के निवास पर समाजजनों ने उनका स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया। प्रवास द्वारा उन्होंने समाजजनों से आव्हान किया कि भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न शासकीय योजनाओं का संचालन किया जाता है। जिसमें वंचित परिवारों के साथ महिला एवं विद्यार्थियों के लिए कहीं लाभकारी योजनाएं हैं। जैन समाज को भी आ गया कर इसका लाभ लेना चाहिए। हमारे फेडरेशन के माध्यम से भी जागरूकता कार्यक्रम चलाएं जाते हैं। इस दौरान अशोक जैन ट्रांसपोर्ट वाला, डॉ संजीव जैन, सौरभ जैन, डॉ. राहुल कटारिया, एडवोकेट प्रमोद जैन, यश जैन, उमेश जैन, सौरभ भंडारी, विपुल जैन सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

विश्व कल्याणार्थ श्रीराम महायज्ञ का शुभारंभ

मंगलवार को पूर्णाहुति पर लगेगा संतों का जमावड़ा

नागदा। चंबल तट नायन डेम स्थित अयोध्याधाम आश्रम पर महामण्डलेश्वर नारायणदास त्यागी के सानिध्य में 9 कुण्डीय 5 दिवसीय विश्व कल्याणार्थ श्रीराम महायज्ञ का शुभारंभ शुक्रवार प्रात: विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। साकेतवासी मदनमोहनदास तपस्वी के कृपापात्र, त्यागी महाराज की प्रेरणा से आश्रम पर उक्त आयोजन विगत 20 वर्षो से हो रहा है। इस आयोजन की पूर्णाहुति के अवसर पर बड़ी संख्या में संतों का आगमन आश्रम पर होने के साथ ही हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं, गुरुभक्तों की भीड़ भी उमड़ती है।

21 से 25 नवंबर तक चलने वाले श्रीराम महायज्ञ में 15 से अधिक जोडे शामिल हुए हैं। यहां प्रतिदिन हवन, आहुती के साथ विभिन्न धार्मिक गतिविधियां संचालित होंगी।

आश्रम से जुड़े गुरुभक्त युवराजसिंह राणावत एवं एडव्होकेट जगदीश चावड़ा ने बताया कि यहां होने वाले इस विशाल धार्मिक आयोजन से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी करने के साथ सुबह महायज्ञ की शुरुआत विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोउच्चारण के साथ की गई। यज्ञ की पूर्णाहुति मंगलवार को होगी। इस अवसर पर यहां देश के विभिन्न प्रांतों से बड़ी संख्या में साधु-संत भक्तों का आशीर्वाद देने के लिए पहुंचेंगे। इसी दिन पूर्णाहुति के पश्चात प्रसादी के रूप में भण्डारे का आयोजन भी होगा। भण्डारे से पूर्व संत समागम एवं साधु-समाज का एक चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो से निकल कर पुन: आश्रम पहुंच कर समाप्त होगा।

दिलीपसिंह शेखावत, गिरधारसिंह शेखावत, गुलब्रेण्डसन उद्योग के युनिट हेड राजीव पाठक, महेन्द्र शेखावत, प्रशांत मेहता, अनिल शर्मा आदि ने महायज्ञ के आयोजन के साथ अंतिम दिन होने वाली यज्ञ की पूर्णाहुति व प्रसादी कार्यक्रम, भण्डारा आदि में श्रद्धालुओं से भाग लेने की अपील की है।

सुरक्षा को लेकर सराफा व्यापारियों और पुलिस की बैठक

नागदा। शुक्रवार को थाना नागदा में क्षेत्र के सभी सर्राफा व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह चौहान द्वारा की गई। बैठक के दौरान हाल ही में आसपास के जिलों एवं क्षेत्र में हुई विभिन्न आपराधिक घटनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सुरक्षा एवं सतर्कता के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर व्यापारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

उप निरीक्षक वीरेंद्रसिंह चौहान ने सर्राफा व्यापारियों को सुरक्षा के लिए निम्न दिशा-निर्देश दिए जिसमें दुकानों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाएँ तथा उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। दुकान पर होने वाले सभी लेनदुदेन का विस्तृत एवं सटीक रिकॉर्ड रखें। प्रतिष्ठान में कार्यरत सभी कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन थाने में अवश्य करवाएं। कर्मचारियों के आधार कार्ड, पहचान पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों का सुरक्षित रिकॉर्ड बनाए रखें। ग्रुप बनाकर आने वाले खरीददारों पर विशेष ध्यान रखें। दुकान के बाहरी क्षेत्र पर भी सतर्क निगरानी रखें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह चौहान ने बैठक में उपस्थित व्यापारियों को अवगत कराया कि अन्य जिलों में हाल ही में हुई घटनाओं को देखते हुए क्षेत्र में सावधानी और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है तथा पुलिस द्वारा व्यापारियों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

थाना नागदा पुलिस द्वारा सर्राफा व्यापारियों से अपील की गई कि वे सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें और किसी भी आपात स्थिति या संदेह की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराधों की रोकथाम प्रभावी रूप से की जा सके।

करुणा और नैतिक साहस का अनोखा उदाहरण हैं गुरू तेग बहादुर

उज्जैन। तेग शब्द केवल तलवार का अर्थ नहीं, बल्कि तेज़ निर्णय, धैर्य, संयम और अदम्य मनोबल का प्रतीक है—और यही मूल्य गुरु तेग बहादुर जी के व्यक्तित्व की आधारशिला बने। गुरु तेग बहादुर साहब जी साहब का संपूर्ण जीवन इस सत्य को सिद्ध करता है कि जब शक्ति और करुणा किसी आदर्श की रक्षा के लिए साथ खड़ी हों, तब इतिहास बदल जाता है। बचपन से ही उनके भीतर असाधारण संवेदना और सेवा का भाव था। चार वर्ष की आयु में जब गुरु तेग बहादुर जी ने एक निर्धन का तन ढका, तब स्पष्ट था कि उनका जीवन मानवता के दु:ख हरने के लिए समर्पित होगा। आगे चलकर उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता, सत्य और मानवाधिकारों की रक्षा हेतु स्वेच्छा से अपना शीश अर्पित किया, जो इतिहास में करुणा और नैतिक साहस का अनोखा उदाहरण है। उक्त विचार पुणे के प्रख्यात साहित्यकार एवं उद्योगपति श्री रणजीत सिंह अरोरा ने कर्मयोगी स्व. कृष्णमंगल सिंह कुलश्रेष्ठ की प्रेरणा और पद्मभूषण डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' की स्मृति में भारतीय ज्ञानपीठ में आयोजित 23वीं अखिल भारतीय सद्भावना व्याख्यानमाला के छटवें दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में डिजिटली प्रस्तुत किए।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के मानवीय आदर्श विषय पर अपनी बात रखते हुए श्री रणजीत सिंह अरोरा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहब ने धर्म को केवल परंपरा नहीं रहने दिया, उसे शाश्वत मानवीय सत्य में रूपांतरित किया। उनकी शहादत ने विश्व को बताया कि अत्याचार का उत्तर केवल हथियार नहीं, बल्कि सिद्धांत, त्याग और मानवीय करुणा की शक्ति से भी दिया जा सकता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी एक समुदाय का अधिकार नहीं, बल्कि समस्त मानवता की गरिमा का आधार है—और गुरु साहब ने इसे अपनी शहादत से प्रमाणित किया। अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात साहित्यकार एवं विचारक डॉ. पिलकेंद्र सिंह अरोरा ने कहा कि-संसार में रहते हुए संन्यासी जीवन जीना आसान नहीं होता, और इसका सर्वोच्च उदाहरण हमें गुरु तेग बहादुर साहब के जीवन में मिलता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि मुक्ति केवल मृत्यु के बाद नहीं मिलती, बल्कि जीवन रहते हुए भी प्राप्त की जा सकती है। उनकी शहादत धर्म की रक्षा के लिए दी गई एक ऐसी मिसाल है, जिसकी तुलना संसार के इतिहास में भी दुर्लभ है। उन्होंने यह आदर्श स्थापित किया कि गुरु का कार्य केवल उपदेश देना नहीं है—जब समय बुलाए, तो अपने प्राणों की आहुति देकर भी धर्म की रक्षा करना गुरु का कर्तव्य है। कार्यक्रम का आरंभ संस्थान की शिक्षिकाओं द्वारा सद्भावना एवं देशभक्ति गीत से हुई।

दीप प्रज्वलन डॉ. पिलकेंद्र सिंह अरोरा, बालकृष्ण शर्मा, खुशहाल सिंह वाधवा, महेश ज्ञानी, बीएस मक्कड, अमृता कुलश्रेष्ठ द्वारा किया गया। स्वागत संस्था प्रमुख युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ, डॉ. अनामिका सोनी, प्रो. बृजकिशोर शर्मा ने किया। डॉ. राकेश ढंड, मुकेश जोशी, प्रवीण जोशी, दीपक सोनी, महेश सिंह बैस, अनिल व्यास सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

एक नजर — प्रधानाचार्य सुनील कुमार व उपप्राचार्या ऐश्वर्या सिन्हा के कुशल निर्देशन ने इस आयोजन को अनुशासन, गरिमा और सांस्कृतिक लय से भर दिया

रसो वै स: की दिव्य धारा में डुबकी लगाता आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

नागदा। भारतीय दर्शन की गहनतम अनुभूति और वेदांत की सुगंध से महकता यह आयोजन शिक्षा, संस्कृति और अध्यात्म की त्रिवेणी बनकर उभरा। इस कार्यक्रम में लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया। ग्रासिम प्रबंधन के इकाई प्रमुख शांतनु कुलकर्णी, ग्रासिम प्रबंधन के हेड सेंटर ऑफ एक्सपर्टीज़ भरत कुमार, मानव संसाधन प्रमुख सुधीर सिंह, एबीएसएसएस की प्राचार्या शिखा सक्सेना तथा एबीएचएसएस के प्राचार्य पंकज सोमानी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और अधिक भव्य बना दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार एवं उपप्राचार्या ऐश्वर्या सिन्हा के कुशल निर्देशन ने इस आयोजन को अनुशासन, गरिमा और सांस्कृतिक लय से भर दिया।

दीप-प्रज्वलन और गणेश वंदना से प्रारंभ होते ही वातावरण शान्त और श्रृंगार रस से अभिभूत हो उठा। प्रधानाचार्य सुनील कुमार के प्रेरणादायी उदबोधन ने विद्यार्थियों को आत्मानुशासन तथा आत्मज्ञान के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मन को मोह लेने वाला ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुत किया, जिसके स्वरों ने सभागार में अद्भुत और वीर रस का अनूठा सम्मिश्रण बिखेर दिया। ताल-लय की गति और एकाग्रता ने विद्यार्थियों की साधना को दर्शाते हुए सबका मन जीत लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने नवरसों की श्रृंखला को जीवंत कर दिया। रसो वैस: पर आधारित नृत्य-नाटिका ने दर्शकों को अद्भुत रस में डुबो दिया। आत्मा और परमात्मा की एकता का संदेश जब अभिनय और नृत्य की भाषा में प्रवाहित हुआ, तो वातावरण भावों से भर उठा। कथा में करुण और श्रृंगार रस, नृत्यों में वीर और अद्भुत रस, तथा नाटकों में हास्य, रौद्र और भयानक रस की अनोखी आभा देखने को मिली। हर प्रस्तुति ने भारतीय कला की विविधता को एक सूत्र में पिरो दिया।

मुख्य अतिथि शांतनु कुलकर्णी ने अपने उद्बोधन में 'रसो वैस:' के सूक्ष्म मर्म को अत्यंत सहजता से उद्घाटित किया। उनके शब्दों में आध्यात्मिकता का शान्त रस और प्रेरणा का अद्भुत रस समान रूप से प्रवाहित हो रहा था। उन्होंने इस पथप्रदर्शक संदेश को व्यवहार में अपनाने की प्रेरणा देते हुए विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला द्वारा 14 नवंबर 2025 को मुंबई में आयोजित भव्य समारोह में प्राचार्य सुनील कुमार को एक्सेप्शनल कंट्रीब्यूटर अवार्ड से नवाजा गया। ग्रासिम प्रबंधन के इकाई प्रमुख शांतनु कुलकर्णी जी ने इस सफलता के लिए पुन: बधाई दी तथा शॉल और श्रीफल देकर उन्हें सम्मानित किया।

अंत में विद्यालय की हेड गर्ल अनुष्का साहनी ने विनम्रता से परिपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। यह वार्षिकोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन होकर नहीं रहा, बल्कि भारतीय अध्यात्म, कला और संस्कृति का नवरस-निरूपित उत्सव बनकर सभी के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया। 'रसो वैस:' का संदेश जीवन के हर मोड़ पर आत्मज्ञान, संतुलन और प्रेरणा की ज्योति बनकर मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।